an>

Title: Regarding timely release of funds for proper implementation of Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojna in tribal areas of the country.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर) : अध्यक्ष महोदया, आज आपने मुझे एक बहुत महत्वपूर्ण विष्Âाय पर बोलने का मौका दिया है। प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना दूरदराज के ग्रामीण अंचल को जोड़ने वाली योजना है। केन्द्र सरकार पीएमजीएसवाई योजना 25 दिसम्बर, 2000 में अमल में लाई। मैं गर्व के साथ कहता हूं कि उस समय पीएमजीएसवाई योजना के अंतर्गत बनी सड़कें आज भी ऐसे लगती हैं जैसे कल ही बनी हों। उन सड़कों का रख-रखाव इस प्रकार हुआ। पिछली यूपीए सरकार में उसकी कैटेगरीज़ बदल दी गई। उसके कारण सड़क में कमी आई। अभी उसमें और परिवर्तन किए गए हैं। पहले प्रधान मंत्री सड़क योजना सौ प्रतिशत केन्द्र सरकार के पैसे से बनती थी। उसमें परिवर्तन लाकर 75:25 का पैटर्न किया गया और एक साल के आर्थिक बजट में पूरी नहीं होते हुए बीच में ही ऐनाउंसमैंट हो गया। राज्य सरकारें द्वारा पैसे का प्रावधान नहीं करने की वजह से योजना पूरी सफल नहीं हो सकी। उसके बाद अभी उसमें और परिवर्तन हुआ। प्रधान मंत्री सड़क योजना ट्राइबुनल के ढाई सौ लोग और दूसरे पांच सौ लोगों तक जोड़ने की योजना बनी। उसमें अभी तक 10वीं, 11वीं, 12वीं और 13वीं योजना का पैसा नहीं गया। क्यों नहीं गया, इसका क्या कारण है। 15 नवम्बर को आप चेंज कर देते हैं। 75:25 का पैटर्न, 90:10 का पैटर्न चेंज करके आपने 60:40 का पैटर्न कर दिया।। अभी 40 प्रतिशत पैसा राज्य सरकारों के पास नहीं है तो योजना कहां से पूरी होगी। प्रधान मंत्री सड़क योजना के बारे में आम जनता का जो विश्वास था, ग्रामीण लोग कहते थे कि सड़क बनानी है तो सिर्फ प्रधान मंत्री सड़क योजना के अंतर्गत बनानी है। इस प्रकार का माहौल था। मैं सरकार और ग्रामीण विकास मंत्रालय से आग्रह करूंगा कि आपको 140 किलोमीटर प्रधान मंत्री सड़क योजना बनानी है, आप 140 किलोमीटर मत बनाइए, 100 किलोमीटर ही बनाइए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, बहुत हो गया। अब बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी: अध्यक्ष महोदया, पूरे देश में प्रधानमंत्री सड़क योजना को लेकर लोगों में उत्साह है। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि राज्य सरकार के भरोसे यह योजना मत चलाइए, 100औ भारत सरकार की तरफ से चलाइए यह मेरी मांग है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री पी.पी. चौधरी,

श्री नाना पटोले,

श्री रोड़मल नागर, और

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी द्वारा उठाए गए विष्Âाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।